11:00
29/7/21

HOME ASSIGNMENT

संवाद लेखन

विष्णु जी और नारद जी के बीच में वार्तालाप -

* **नारद जी** - नारायण ! नारायण ! प्रभु ! धरती पर ऐसा कौन है जो आपका प्रिय भक्त है ?

* **विष्णु जी** - एक अज्ञान किसान है, जो मेरे प्राणों से भी प्यारा है।

* **नारद जी** - प्रभु ! मैं उसकी परीक्षा लेना चाहता हूँ।

* **विष्णु जी** - हाँ ! तुम ले सकते हो।

* **नारद जी** - किंतु भगवन ! वह किसान दिन में सिर्फ तीन बार आपका नाम लेता है।

* **विष्णु जी** - हे नारद ! एक जरूरी काम करना है। बाद में हम इस बात में चर्चा करेंगे। यह तेल से भरा पात्र लेकर भूमंडल की परिक्रमा करके वापस

आइए। हाँ, इतना जरूर ध्यान रखना कि इसमें से एक बूँद का तेल जमीन पर गिरने न पाए।

* **नारद जी** — हे प्रभु! मैं विश्व पर्यटन करके आ गया।

* **विष्णु जी** - यह तो आपने ठीक किया लेकिन यह बताइए परिक्रमा करते समय आपने मेरा नाम कितनी बार लिया ?

* **नारद जी** - एक बार भी नहीं। मैं तो आपका ही काम कर रहा था। नाम लेने का समय ही नहीं मिला।

* **विष्णु जी** - उस किसान को भी मैंने एक साथ कई काम दिया है। लेकिन वह सभी काम को निभाता रहा और करता भी रहा और मेरा नाम लेता रहा।

* **नारद जी** - हाँ प्रभु! यह सत्य है।